राजस्थान में नया टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

एक **विशेषज्ञ समिति ने कुंभलगढ़-टॉडगढ़ रावली अभयारण्य को** बाघ अभयारण्य घोषित करने से पहले **तत्काल आवास संरक्षण और शिकार आधार विकास की सलाह दी।**

- केंद्र सरकार और **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** ने **अगस्त 2023 में सैद्धांतिक मंजूरी** दे दी है। समिति जैवविविधता की सुरक्षा के लिये कोर और बफर क्षेत्रों को परिभाषित करना जारी रखेगी।

//

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

प्रमुख बिंदु

- **समिति की सिफारिश:**
  - **आवास सीमाएँ:**
    - **वर्तमान क्षेत्र में बाघों की स्थायी आबादी को सहारा देने की क्षमता का अभाव** है। रिपोर्ट में प्रस्तावित रिज़र्व में और अधिक क्षेत्र जोड़ने का सुझाव दिया गया है।
  - **गाँवों का स्थानांतरण:**
    - **प्रस्तावित रिज़र्व क्षेत्र के भीतर वर्तमान आबादी वाले गाँवों** के लिये एक रणनीतिक, स्वैच्छिक **पुनर्वास योजना की सिफारिश** की जाती है, ताकि स्थायी पुनर्वास के माध्यम से अप्रभावित आवासों को सुरक्षित किया जा सके एवं ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके।
  - **आक्रामक प्रजातियों पर नियंत्रण:**
    - जंगली शाकाहारी जानवरों के लिये उपयुक्त आवासों को बहाल करने और जैवविविधता को बढ़ावा देने के लिये आक्रामक खरपतवारों

को हटाना एवं देशी, स्वादिष्ट घासों को लगाना आवश्यक है।

- **शिकार आधार विकास:**
  - **शिकार की उपलब्धता बढ़ाने** के लिये 1,000-2,000 चित्तीदार हिरणों (चीतल) को स्थानांतरित करने की सिफारिश की जाती है, जिससे शिकारियों की आबादी को लाभ होगा।
- **अवैध शिकार निरोधक एवं बुनियादी ढाँचा:**
  - अवैध शिकार विरोधी उपायों, वायरलेस संचार और गश्ती सड़कों को मज़बूत करना आवश्यक है।
- **भौगोलिक क्षेत्र:**
  - कुंभलगढ़ टाइगर रिज़र्व राजस्थान के **राजसमंद, उदयपुर, पाली, अजमेर और सिरोही ज़िलों में लगभग 1,397 वर्ग किलोमीटर** में फैला होगा।

चित्तीदार हिरण (चीतल)

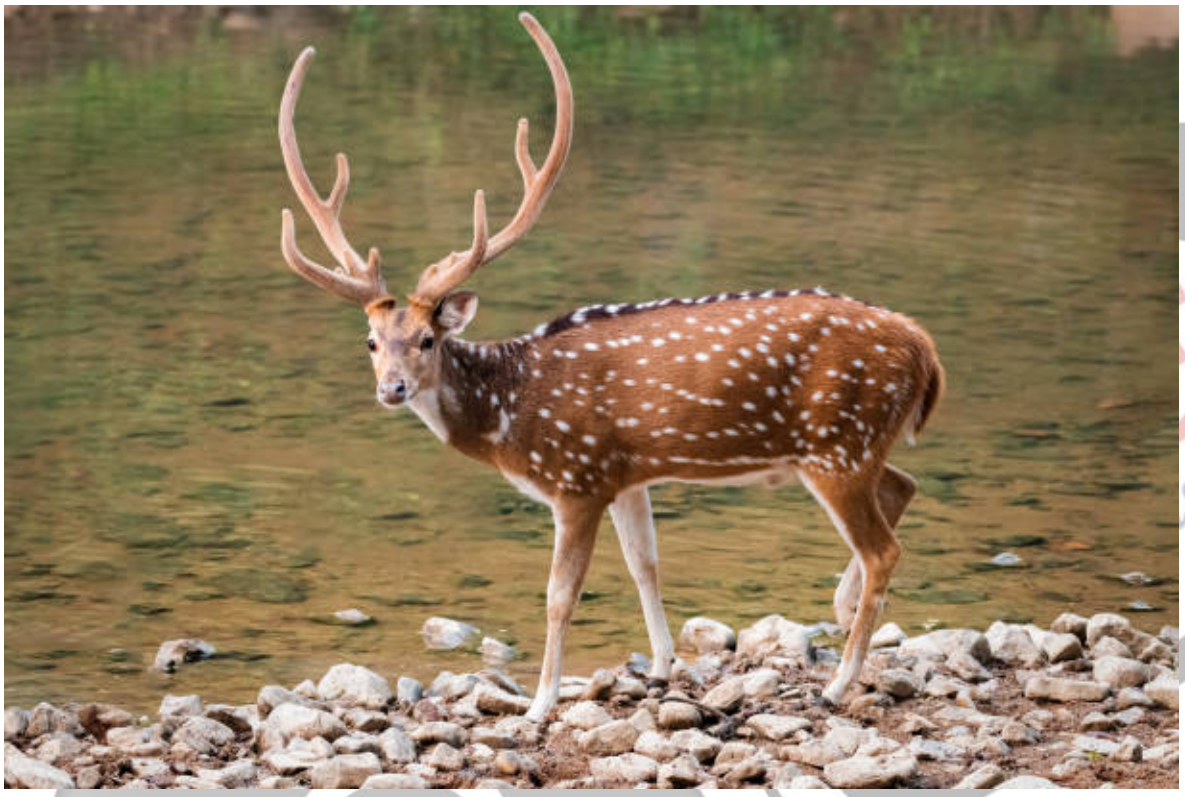

- चीतल, जिसे **चित्तीदार हिरण या एक्सिस डियर** के नाम से भी जाना जाता है, एक सुंदर और आकर्षक शाकाहारी प्राणी है जो **भारत और श्रीलंका** के घास के मैदानों और जंगलों का मूल निवासी है।
- वे खुले घास के मैदान, सवाना और हल्के वन क्षेत्रों को पसंद करते हैं।
  - **IUCN रेड लिस्ट : लीस्ट कंसर्न (LC)**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 : अनुसूची II**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-tiger-reserve-in-rajasthan